This question paper contains **2** printed pages]

RA—429—2022

FACULTY OF ARTS/HUMANITIES

B.A. (Second Year) (Third Semester) EXAMINATION

MAY/JUNE, 2022

HINDI (Optional)

Paper–V

(मध्ययुगीन कविता)

(Saturday, 25-6-2022) **Time : 2.00 p.m. to 4.30 p.m.**

Time— 2½ *Hours* *Maximum Marks*—50

N.B. :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के आगे अंक दिए गए हैं।

1. पठित पदों के आधार पर कबीर के विचारों को स्पष्ट कीजिए। 10

अथवा

"उद्धव का उपदेश सुनकर गोपियाँ कृष्ण के प्रति अपने प्रेम–भाव और विरह वेदना को व्यक्त करती हैं।" स्पष्ट कीजिए।

2. नामदेव द्वारा प्रतिपादित नामस्मरण और सत्संगति के महत्व को विशद कीजिए। 10

अथवा

रामचरितमानस के शबरी प्रसंग में चित्रित 'नवधा–भक्ति' पर प्रकाश डालिए।

3. "रैदास ने अपने पदों में जाति–पांति के भेदभाव का विरोध तथा हिन्दू–मुस्लिम एकता पर बल दिया है।" स्पष्ट कीजिए। 10

अथवा

बिहारी के नीति विषयक विचारों को स्पष्ट कीजिए।

4. पठित दोहों के आधार पर रहीम के विनम्रता, मान–सम्मान तथा परोपकार विषयक विचारों पर प्रकाश डालिए। 10

P.T.O.

अथवा

"कृष्ण के सौंदर्य वर्णन के साथ-साथ मीरॉबाई ने कृष्ण के प्रति अपनी विरह-भावना को भी व्यक्त किया है।" विशद कीजिए।

5. टिप्पणी लिखिए :

(अ) सूरदास की वात्सल्य भावना। 5

अथवा

रैदास की रामराज्य की कल्पना।

(ब) कबीर द्वारा प्रतिपादित गुरु की महत्ता। 5

अथवा

बिहारी का वियोग श्रृंगार।

947EF435A89D2018CA237EDA6EE77558